

17.05.2022

हिन्दी के छात्रों ने हिन्दी महीनों को जाना

डॉ० रमेश टण्डन ने छात्रों के लिए किया अभिनव पहल

आज की पीढ़ी अंग्रेजी के दिनांको, महीनों, हैप्पी न्यू ईयर फर्स्ट जनुअरी, आदि को भली-भाँति जानती है। परन्तु अपने ही चैत्र, वैशाख.... तृतीया, चतुर्थी..... आदि को भूलती जा रही है। भारत के निवासी एवं हिन्दी के अध्येता होने के नाते हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम अपने महीनों का जानें, तिथियों को जानें, घर-घर में टॅंगे हुए कैलेण्डर का पढ़ना जाने। इस क्रम में ज्येष्ठ मास, प्रथमा/द्वितीया तिथि, अनुराधा नक्षत्र, विक्रम सम्वत् 2079 को शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में स्किल डेवेलपमेंट कार्यक्रम के अन्तर्गत ‘हिन्दी महीना को जानें’ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ० आर के टण्डन की अध्यक्षता में मुख्य वक्ता प्रसिद्ध भागवत कथा वाचक रामकृष्ण मिश्रा ने हिन्दी महीना, हिन्दी तिथियों, नक्षत्र आदि के बारे में विस्तार से बताया। 27 नक्षत्रों में से मूल नक्षत्रों – अश्विनी, आश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल, रेवती आदि में किए गए कार्यों को प्रायः अशुभ माना जाता है। साथ ही घनिष्ठा नक्षत्र के तीसरे चरण से रेवती नक्षत्र के प्रारम्भ तक पाँच दिनों के पंचक में भी शुभ अथवा मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। इस दौरान पूजा आदि किए जा सकते हैं। परन्तु मूर्ति विसर्जन नहीं किया जा सकता। गृह निर्माण आरम्भ वैशाख, श्रावण, मार्गशीर्ष (अगहन), फाल्गुन माह में करना शुभ माना जाता है। लेकिन जब नव गृह प्रवेश की बात करें या कोई भी मंगल कार्यों जैसे शादी आदि की बात करें तो आषाढ़ शुक्ल एकादशी से कार्तिक शुक्ल एकादशी तक वर्जित है। इसी प्रकार, वास्तु शास्त्र, वर-वधु गुण मिलान, नवजात बच्चे के नामकरण आदि पर विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ० आकांक्षा मिश्रा ने किया। प्रो० दिनेश संजय के आभार प्रदर्शन में, प्रो० जयराम कुर्झे सहित निमिश राठिया, उर्मिला पटेल, सोनिया चौहान, प्रियंका पटेल, लोकनाथ डनसेना, ज्ञानेश्वर डनसेना, रेशमा चौहान, किर्तन अजय, मोंगरा राठिया, रुकमणी पटेल, शिव कुमारी, हीना, सुनीता सिदार, ट्वींकल वैष्णव, माधुरी राठिया (लोचन सिंह), सरस्वती राठिया, अंजना राठिया, रंगवती, संजना राठिया की सक्रिय सहभागिता कार्यक्रम के दौरान दिखाई दी। सभी ने रोचक और ज्ञानवर्द्धक जानकारी हासिल किया। डॉ० रमेश टण्डन ने पं० रामकृष्ण मिश्रा को विभाग की ओर से धन्यवाद दिया एवं डॉ० आकांक्षा मिश्रा ने वस्त्र, भोजन, धनादि दान किया।



X4H7+CQX, Mishra Colony, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India

Latitude
21.9792006°

Longitude
83.1158057°

Local 02:14:35 PM
GMT 08:44:35 AM

Altitude 0 meters
Tuesday, 17-05-2022



X4H7+CQX, Mishra Colony, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India

Latitude
21.9792006°

Longitude
83.1158057°

Local 02:33:55 PM
GMT 09:03:55 AM

Altitude 0 meters
Tuesday, 17-05-2022





REDMI NOTE 8
AI QUAD CAMERA

श्री
मं
सी
रे

खरसिया@किरणदू
व ढो० रोश टपड़न ने छात्रों
जे के लिए किया अभिनव पहल
हुआ आज की पाठी अंग्रेजी के
उत्तिकांकों, महोनों, हैण्डी च्यू इंयर
फर्स्ट जनुअरी, आदि को
पढ़ी-पाठ जानती है। परन्तु
अपने ही वैज्ञ, वैशाख...
तृतीया, चतुर्थी.... आदि को
पढ़ती जा रही है। भारत के
निवासी एवं हिन्दी के अध्येता
होने के नाते हमारा यह कार्यव्य
बनता है कि हम अपने महीनों
का जाने, विधियों को जाने,
धर-धर में टीके तुप फेलेपट्ट का
पढ़ना जाने। इस अम में ज्ञेषु
गास, प्रधाना/दिलोया विधि,
अनुराग नक्षत्र, विक्रम सम्बत्
2079 को शासकीय महात्मा
गांधी स्नातकोश्र महाविद्यालय
खरसिया के हिन्दी विभाग में
फिल डेवलपमेंट कार्यक्रम के
अन्तर्गत 'हिन्दी गहीना को
जानें' कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।
विधागणक्ष इन्दी ढो० आर के
टपड़न की अध्यक्षता में गुरुव्य
वक्ता प्रभिद्ध भागवत कथा
वाचक ग्रन्थकृष्ण मिश्रा ने हिन्दी
गहीना, हिन्दी विधियों, नक्षत्र
आदि के बारे में विस्तार से
बताया। 27 नक्षत्रों में से मूल
नक्षत्रों - अधिनों, आख्लेष,

खरसिया@किरणदू



X4H7+CQX, Mishra Colony, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India

Latitude

Longitude

गचा, ज्येष्ठ, गुल, रेतो आदि में
किए गए कार्यों को प्राथः अशुभ
माना जाता है। साथ ही घोनश्च
नक्षत्र के तीसरे चरण से रेतो
नक्षत्र के प्रारम्भ तक पाँच दिनों
के पंचक में भी ज्यूथ अथवा
गंगनिक कार्य नहीं किए जाते।
इस दैशन पूजा आदि किए जा
सकते हैं। परन्तु यात्रे विसर्जन
नहीं किया जा सकता। यह
निर्माण आरम्भ वैशाख, श्रावण,
मार्गशीर्ष (अगहन), फाल्गुन
माह में करना शुभ गाना जाता है।
लेकिन जब नव ग्रह प्रत्येश की
बात करें तो कोई भी मंगल कार्यों
जैसे शातो आदि को बात करें तो
आपाद शुक्ल एकादशी से
कार्तिक शुक्ल एकादशी तक
बर्जित है। इसी प्रकार, जास्त
शास्त्र, वर-नम्भु गुण भिला,
नवजात वस्त्र के नामकरण आदि
पर विस्तार से जानकारी दी गई।
कार्यक्रम का मन संचालन
डो० आकाशा मिश्रा ने किया।
प्रो० दिवेश संजय के आगार
प्रदर्शन में, प्रो० जयपाल कुर्म
संहित निष्पत्ति रामेश, उमेला
पटेल, सोनिया चौहान, श्रियंका
पटेल, लोकनाथ डनसेना,
ज्ञानेश्वर डनसेना, रेशमा चौहान,
किरण लाजव, गोंगा राठिया,
रुक्मणी पटेल, शिव कुमारी,
लीना सुनीता सिंदर, दर्वीकल
देष्टाज, गावुरी राठिया (लोचन
सिंह), सरस्वती राठिया,
अजना राठिया, रावती, संजना
राठिया को सक्रिय सलगागिता
कार्यक्रम के द्वारा दिखाई दी।
सधी ने रोचक और ज्ञानवर्द्धक
जानकारी हासिल किया। डो०
स्पेश टपड़न ने प०० समकृष्ण
मिश्रा को विदान की ओर से
धन्यवाद दिया एवं डो० आकाशा
मिश्रा ने वस्त्र, भोजन, भानादि
दान किया।

डॉ रमेश टण्डन की अभिनव पहल से हिन्दी के छात्रों ने हिन्दी महीनों को जाना

खरसिया(वॉच च्यूरो)। आज को पोढ़ी अंग्रेजी के दिनांको, महीनों, हैप्पी न्यू ईयर फर्स्ट जनुअरी, आदि को भली भांति जानती है। परन्तु अपने ही चैत्र, वैशाख तृतीया, चतुर्थी आदि को भूलती जा रही है। भारत के निवासी एवं हिन्दी के अध्येता होने के नाते हमारा यह करवा बनता है कि हम अपने महीनों का जानें, तिथियों को जानें, घर-घर में टैंगे हुए कैलेण्डर का पढ़ना जाने। इस क्रम में ज्येष्ठ मास, प्रथमा/द्वितीया तिथि, अनुराधा नक्षत्र, विक्रम सम्वत् 2079 को शासकीय महात्मा गांधी झातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में स्किल डेवेलपमेंट कार्यक्रम के अन्तर्गत हिन्दी महीना को जानें कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ. आर के टण्डन की अध्यक्षता में मुख्य वक्ता प्रसिद्ध भागवत कथा वाचक रामकृष्ण पिश्चा ने हिन्दी महीना, हिन्दी तिथियों, नक्षत्र



एकादशी तक बर्जित है। इसी प्रकार, वास्तु शास्त्र, वर-वधु गुण मिलान, नवजात चच्चे के नामकरण आदि पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. आकांक्षा पिश्चा ने किया। प्रो. दिनेश संजय के आभार प्रदर्शन में, प्रो. जयराम कुरें सहित निमिश राठिया, उमिला पटेल, सोनिया चौहान, प्रियंका पटेल, लोकनाथ डनसेना, ज्ञानेश्वर डनसेना, रेशमा चौहान, किर्तन अजय, मोंगरा राठिया, रूकमणी पटेल, शिव कुमारी, हीना, सुनीता सिदार, ट्रॉकल वैष्णव, माधुरी राठिया (लोबन सिंह), सरस्वती राठिया, अंजना राठिया, रंगवती, संजना राठिया की सक्रिय सहभागिता कार्यक्रम के दीरान दिखाई दी।